

देवजाति, गंधर्व विशेष 3. जादूगर 4. एक रतिबंध 5. एक वृत्त 6. एक ताल।

विद्याधरी स्त्री. (तत्.) 1. विद्या को धारण करने वाली स्त्री 2. विद्याधर जाति की कोई स्त्री।

विद्याधारी पुं. (तत्.) 1. विद्या का विशिष्ट विद्वान, पंडित 2. काव्य. एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में चार मगण के क्रम से 12 वर्ण होते हैं।

विद्याधिदेवता स्त्री. (तत्.) 1. विद्या की अधिष्ठात्री देवी, सरस्वती पर्या. देवी शारदा 2. विद्या का स्वामी।

विद्याधिप पुं. (तत्.) 1. विद्या का स्वामी, शिव 2. विद्वान 3. आचार्य, गुरु, शिक्षक।

विद्याध्ययन पुं. (तत्.) 1. विद्या का अध्ययन (पढ़ाई) 2. विद्या पढ़ना, शिक्षाग्रहण विद्यार्जन।

विद्यानुसेवी वि. (तत्.) 1. विद्या प्राप्त करने वाला 2. विद्याव्रती, विद्याव्यसनी, विद्यार्थी।

विद्यापति पुं. (तत्.) 1. राज सभा के सर्वश्रेष्ठ कवि की एक उपाधि, पदवी जो मध्यकालीन युग में प्रचलित थी 2. मिथिला के एक यशस्वी कवि जो आदिकालीन हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध रचनाकार माने जाते हैं इनकी प्रसिद्ध रचना "विद्यापति पदावली" है।

विद्यापीठ पुं. (तत्.) 1. विद्याध्ययन हेतु बनाया गया एक बड़ा शिक्षा केंद्र 2. विविध विषयों के अध्ययन हेतु विशाल परिसर में बना एक शिक्षालय 3. बड़ा महाविद्यालय।

विद्याभ्यास पुं. (तत्.) 1. विद्या को प्राप्त करने या समझने का निरंतर किया जाने वाला प्रयत्न 2. विद्याध्ययन, शिक्षाग्रहण।

विद्यामंदिर पुं. (तत्.) 1. विद्या के अध्ययन हेतु बना एक सुंदर सुविधायुक्त भवन 2. विद्यालय।

विद्यारंभ पुं. (तत्.) 1. विद्या या शिक्षा प्राप्त करने का आरंभ 2. भारतीय परंपरा में बालक को शिक्षा आरंभ करने का एक महत्वपूर्ण

संस्कार जो शुभ मुहूर्त पर या बसंत पंचमी आदि तिथि को संपन्न होता है।

विद्यार्जन पुं. (तत्.) 1. विधिवत् विद्या की प्राप्ति, विद्याध्ययन 2. विद्या या शिक्षा के द्वारा कुछ लाभ की प्राप्ति।

विद्यार्थी पुं. (तत्.) 1. विद्या प्राप्ति का इच्छुक बालक 2. विद्या ग्रहण करने वाला छात्र 3. पर्या. छात्र, शिष्य।

विद्यालय पुं. (तत्.) वह स्थान या भवन जहाँ छात्र जाकर निश्चित कक्षाओं में नियमित रूप से अध्ययन करते हैं पर्या. विद्यागृह, पाठशाला, विद्यामंदिर।

विद्यावान् वि. (तत्.) विद्या का ज्ञाता, जानकार, विद्वान, पंडित।

विद्या-विरुद्ध वि. (तत्.) जो विद्या के विरुद्ध या विपरीत हो काव्य. एक प्रकार का अर्थदोष। वह अर्थ दोष जो किसी साहित्यिक रचना में परंपरा, धर्म, नीति, देश, काल, शास्त्र, आदि के विरुद्ध वर्णन करने से होता है।

विद्यावृद्ध वि. (तत्.) जो अन्य विद्वानों की अपेक्षा अधिक विद्वान हो या ज्ञानी हो, श्रेष्ठ विद्वान।

विद्यु सं.स्त्री. (तत्.) बिजली, विद्युत।

विद्युज्ज्वाला स्त्री. (तत्.) बिजली की कौंध, चमक वन. तडित्प्रभा, कलिकारी पौधा।

विद्युत्/विद्युत स्त्री. (तत्.) 1. प्रकाशमय एक तत्व, बिजली जिसका उत्पादन किसी कृत्रिम जलाशय से विशेष संयंत्रों की सहायता से एक प्रक्रिया द्वारा किया जाता है 2. आकाश में प्रायः मेघ गर्जना के साथ बादलों के मध्य से तिर्यक रेखा के रूप में चमकने वाली बिजली, जिसका भयंकर रूप आसमान से गिरने पर वज्रपात कहा जाता है 3. वज्र 4. एक तरह की उल्का 5. एक वीणा पुं. 1. एक विशेष समाधि 2. एक राक्षस वि. जो बहुत ही चमकदार हो।